वित्तीय बाजार

मुद्रा बाजार :

- मुद्रा बाजार उस संगठन को कहते है जहाँ वित्तीय एवं अन्य संस्थानों तथा व्यक्तियों के पास उपलब्ध विनियोज्य निधियां उधर प्राप्त करने वाला द्वारा अल्पकाल के लिए उधर लि जाती है |

मुद्रा:

- कोई भी वस्तु जो सभी प्रकार के व्यवहारों को पूरा करने में भुगतान के माध्यम के रूप में सामान्यतया स्वीकार की जाती है उसे हम मुद्रा कहते है सभी वस्तुएं या प्रपत्र मुद्रा है |

मुद्रा के दो प्रकार हो सकते है -

- **वैधानिक मुद्रा** - वह मुद्रा जिसका निर्गमन सरकार या रिजर्व बैंक द्वारा किया जाता है ये मुद्राएँ ऐसी है जिनको स्वीकार करना क़ानूनी बाध्यता है वैधानिक मुद्रा सीमित ग्राहम या असीमित ग्राहम हो सकती है भारत में छोटे सिक्के तथा 1 रूपये के नोट या 1 रूपये का सिक्का सीमित ग्राहम मुद्रा है |
- **साख मुद्रा -** वह मुद्रा जिसका निर्गमन बैंक द्वारा किया गया जैसे- चेक उसे साख मुद्रा कहते है |
- मुद्रा की एक विशेषता है उसकी तरलता चूँकि मुद्रा तो नकद रूप में है,इसलिए इसे हम सबसे अधिक तरल सम्पत्ति कहेंगे

मुद्रा बाजार :

- वह बाजार है जिसमे क्रेता एवं विक्रेता द्वारा मुद्रा का लेन देन होता है मुद्रा बाजार में अल्पकालीन निधियों का व्यवयास होता है | मुद्रा बाजार में मुद्रा की नकदी का लेन देन नही बल्कि विनिमय पत्रों,एवं अल्पकालीन सरकारी प्रतिभूतियों का व्यवसाय किया जाता है| अत: वह सम्पत्ति जिसे जल्दी तथा आसानी से मुद्रा में परिवर्तित किया जा सके उसे समीपस्थ मुद्रा कहते है |
- भारतीय मुद्रा बाजार के संगठित मुद्रा बाजार में शीर्ष पर भारतीय रिजर्व बैंक स्थित है |
- भारतीय मुद्रा बाजार संगठित और असंगठित भागों का विचित्र मिश्रण है |

संगठित मुद्रा बाजार:-

- **इस प्रकार की** संगठित बाजार में सभी भाग किसी न किसी रूप में रिजर्व बैंक द्वारा क्रमबद्ध ढग से संबंधित होते है |संगठित मुद्रा बाजार वणिज्यिक बैंकों के कार्यो द्वारा अधिक प्रभावित होता है |
- रिजर्व बैंक,वाणिज्यिक बैंक तथा सहकारी बैंक संगठित मुद्रा बाजार के अंग है किन्तु अप्रत्यक्ष रूप से बीमा निगम,जनरल इंश्योरेंस कॉरपोरेशन,यूनिट ट्स्ट ऑफ इण्डिया तथा डिस्काउंट एवं फाईनेंस हाउस ऑफ इण्डिया संगठित मुद्रा बाजार में व्यवहार करते है बल्कि बैंकों के माध्यम से भाग लेते है |
    - असंगठित मुद्रा बाजार :
- **अ**संगठित क्षेत्र में सर्वाधिक प्रचलित प्रपत्र हुंडी है जो एक तरह से देशी विनियम प्रपत्र है | इसके आलावा देशी बैंकर्स,महाजन,साहूकार,शर्राफ इनके अंतर्गत आते है |

मुद्रा बाजार में प्रयोग में लाये जाने वाले महत्वपूर्ण प्रपत्र:-

- **कॉलमनी मार्केट :** यह अत्यंत ही अल्प अवधि वाले फंड का बाजार होता है | जिसमे उधार देने तथा लेने की अवधि अत्यंत अल्प अवधि के लिए होती है | इसे USA में फेडरल रेट कहते है जो सामान्यत:रातभर की दर के रूप में जाना जाता है |
- कॉलमनी मार्केट में प्रचलित होने वाली ब्याज दर फंड की पूर्ति तथा फंड की माँग पर निर्भर करती है और सामान्यता कॉलरेट में बहुत अधिक उच्चावन होते है,कॉलरेट में उम्रता होती है |

  भारत में इस इस समय दो कॉलरेट है-

  1.अंत: बैंक काल रेट

  2.DFHI की उधारी दर
- कॉलमनी रेट का निर्धारण माँग एवं पूर्ति की शक्तियों के द्वारा होता है बाजार में मौसमी परिवर्तन दिखाई देते है |
- कम व्यस्त मौसमी की अपेक्षा व्यस्त मौसम में इसमे तंगी अधिक होती है यह तंगी अप्रैल में सर्वाधिक होती है |
- टेजरी बिल्स : भारत में टेजरी बिल्स 1917 में पहली बार निर्गत की गयी | यह अल्प अवधि की प्रतिभूतियाँ है जिसके माध्यम से सरकार उधर लेती है इसका निर्गमन के लिए रिजर्व बैंक द्वारा किया जाता है |

- **टेजरी बिल्स तीन प्रकार की होती है -**

  1.ऑन टैप बिल्स : इसे रिजर्व बैंक द्वारा जब चाहे तब खरीदा जा सकता है इसे 1 अप्रैल,1997 से बंद कर दिया गया है |

  2.नीलामी टेजरी बिल्स : इसे अप्रैल 1992 में शुरू किया गया,इस समय RBI,19 तथा 364 दिन की टेजरी बिल्स निर्गमित करता है इसकी न्यूनतम राशि 25,000 रुपया है इसकी पुन: कटौती नहीं हो सकती है

  3.एडहॉक टेजरी बिल्स : इसका निर्गमन 1997-98 के बजट से बंद कर दिया गया है इसके स्थान पर अर्थापय अग्रिम की नयी योजना लागू की गयी है |

पूँजी बाजार :

- पूँजी बाजार वित्तीय बाजार का एक महत्वपूर्ण अंग है जो देश के भीतर तथा बाहर दीर्घकालीन फंड प्राप्त करने का बाजार है |
- इस बाजार का मुख्य कार्य उन क्षेत्रों में जहाँ बचत अधिक्य है,निकाल कर उन क्षेत्रों तक पहुचाना जिनमे बचत की माँग है |
- प्राथमिक पूँजी बाजार वह बाजार जिसमे सभी प्रतिभूतियाँ पहली बार बाजार में बिकने के लिए जाती है |
- प्राथमिक पूँजी बाजार को हम निम्न दो प्रकार से व्यक्त कर सकते है |
- घरेलू(क) कम्पनियों द्वारा निर्गमित समता अंश जिनका निर्गमन प्रास्पेक्ट्स निजी आबंटन या राइट निर्गमन के द्वारा हो,(ख)कम्पनियाँ सरकार तथा वित्तीय मध्यस्थों दवारा निर्गमित ऋण प्रपत्र
- विदेशी (क) ग्लोबल डिपाजिटरी रिसीट तथा अमेरिकन डिपाजिटरी रिसीट के माध्यम से निर्गमित समता अंश,(ख) विदेशी वाणिज्यिक उधारी FCB के द्वारा उधारी खरीदने पड़ते है |
- इस बाजार में नोवेश का सीधे कम्पनी से शेयर खरीदने पड़ते है |
- सेकेंडरी पूँजी बाजार वह बाजार है जिसमे पुरानी (पहले से निर्गमित प्रतिभूतियों मर व्यापर होता है सेकेंडरी मार्किट के अंतर्गत कानून के अनुशार काम करने वाले स्वीकृत प्राप्त रजिस्टर्ड स्टॉक एक्सचेंज आते है |
- **स्टॉक एक्सचेज** एक प्रकार संगठित बाजार है जहाँ केंद्र सरकार राज्य सरकार,सार्वजनिक संस्थाओं,संयुक्त स्टॉक कम्पनियों द्वारा निर्गमित पहले से बिकी हुई प्रतिभूतियों में व्यापार होता है |
- इस बाजार में निवेशक को सीधे कम्पनी से संबंध नही रखना होता है बल्कि किसी और निवेशक से शेयर खरीदने पड़ते है |
- **सेकंडरी बाजार को दो बाजारों में बाँटा जा सकता है -**

  1.निगमों तथा तथा वित्तीय मध्यस्थलों द्वारा पूर्व निर्गमित प्रतिभूतियों के लिए मार्किट -

  (1).मान्यता प्राप्त स्टॉक एक्सचेज

  (2).नेशनल स्टॉक एक्सचेज ऑफ इण्डिया लि०

  (3).ओंवर द काउंटर स्टॉक एक्सचेज ऑफ इण्डिया लि०

  2.सरकारी प्रतिभूतियों तथा पब्लिक सेक्टर बॉड के लिए (प्राइमरी डीलर्स,बैंक,वित्तीय सस्थायें,म्यूचुअल फंड आदि है)

- तरलता की दृष्टि से प्रतिभूतियों तथा ऋणों की स्थिति इस प्रकार है-

  1.नकद

  2.एडहॉक टेजरी बिल्स

  3.टेजरी बिल्स

  4.काल ऋण

- **व्यापारिक बिल बाजार :** व्यापारिक बिलों को हम विनियम विपत्र कहते है |
- **वाणिज्यिक प्रपत्र :**यह मुख्यत: USA तथा यूरोप के वित्तीय बाजार का प्रपत्र था बाघुल समिति की संस्तुति पर 27 मार्च,1989 को भारत में जमा प्रमाण पत्र के साथ सी०पी० के निर्गमन की अनुमति प्रदान की गयी | CP एक प्रतिज्ञा पत्र है |
- बैंक ड्राफ्ट केवल रूपये हस्तांतरण का माध्यम है,मुद्रा बाजार विलेख नहीं है |
- **शेयर बाजार** : स्टॉक एक्सचेज और वायदा बाजार संघ सूची का विषय है यह वह संगठन है जहाँ पर विभिन्न प्रकार की औद्योगिक प्रतिभूतियों विभिन्न निकायों तथा अन्य जन उपयोगी संस्थाओं द्वारा जारी ऋण पत्रों का क्रय-विक्रय होता है जो SEBI के दिशा-निर्देशों पर आधारित होता है |

- आधुनिक पूंजीवाद के विकास की प्रक्रिया में 1576 में एर्माटडम में प्रथम स्टॉक एक्सचेज की स्थापना की गई |
- भारत में 1875 में बाम्बे स्टॉक एक्सचेज की स्थापना हुई जिसके द्वारा पहला सूचकांक संसेक्स 1986 में आरंभ किया गया है |

विदेशी शेयर बाजार एवं उसके Index :

विश्व के प्रमुख स्टॉक एक्सचेज और उनके सूचकांक

सूचकांक	स्टॉक एक्सचेज	सूचकांक	स्टॉक एक्सचेज
बोवेस्वपा	ब्राजील	डाउजोंस,नासडॉक	न्यूयाक
मिब्टेल	इटली	निक्की	टोक्यो
आईपीसी	मेक्सिको	मिड डेक्स	जर्मनी
एसएनन पी	कनाडा	हांग सेंग	हांगकांग
एनएसई	मुम्बई	सिमेक्स,स्टेट टाइमेक्स	सिगापुर
सेंसेक्स	मुम्बई	कोस्पी	कोरिया
डालेक्स	मुम्बई	सेट	थाईलैंड
बैंकेक्स	मुम्बई	तेन	ताइवान
शंघाई कॉम	चीन	फिज-100	लंदन

राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेज :

- इसकी स्थापना देश में वित्तीय सुधार के माँग के रूप में एम० जे० फेरवानी कमेटी की सिफारिश पर 1994 में की गयी |
- NSE का मुख्यालय दक्षिणमुंबई में वर्ली में है |
- भारत में NSE के प्रवर्तक भारतीय औद्योगिक विकास बैंक,भारतीय औद्योगिक साख एवं विनियम निगम भारतीय औद्योगिक वित्त निगम,भारतीय जीवन बीमा निगम,सामान्य बीमा निगम,स्टॉक होल्डिंग कॉपोरेशन आदि |
- यह व्यापार संपादन के निपटान तथा इसके माध्यम से निपटारे की गारंटी देता है |
- NSE ने 22 अप्रैल,1996 तथा 1 जनवरी,1997 को क्रमशः निफ्टी तथा भिंडकैप इंडिसेज की शुरुआत की है जिनमे प्रत्येक में 50 प्रतिभूतियाँ सम्मिलित है | NIFTY-50 को वर्तमान में S&PCNX कहा जाता है जिसका आधार वर्ष 1983-84 है |
- अंतर बैंक कॉलमनीमार्केट के ऋणों के लिए NSE ने दो नई दरें 15 जून,1998 को प्रारंभ की गई थी |

यह दरें है -

- MIBOR (Mumbai Inter bank offer rate) यह ऋणों के लिए उधार दर की सूचक है |
- स्टॉक एक्सचेजों में 49% तक विदेशी विवेश की अनुमति है | इसमें विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अधिकतम 26% तथा 23% संस्थागत विदेशी निवेश हो सकता है |

मुम्बई स्टॉक एक्सचेज :

- एशिया का सबसे पुराना 'बम्बई स्टॉक एक्सचेज 19 अगस्त,2005 से पब्लिक लिमिटेड कम्पनी में रूपांतरित हो गयी है |
- इसकी स्थापना 9 जुलाई,1875 ई० में हुई थी वर्ष 2002 में इसका नाम बदलकर BSE कर दिया गया |
- अक्तूबर 2007 में यह दक्षिणी एशिया का सबसे बड़ा और विश्व का 10वें नम्बर का स्टॉक एक्सचेज बन गया है |
- बिहार स्टॉक एक्सचेज का नाम मगध स्टॉक एक्सचेज है यु० पी० में दो स्टॉक एक्सचेज है | (i)कानपूर (ii)मेरठ

सेंसेक्स

- बम्बई स्टॉक एक्सचेज द्वारा 1 जनवरी,1986 में प्रस्तुत 30 शेयरों के मूल्यों पर आधरित एक सूचकांक Sensex - Senstive Index है इस शब्द का सक्षेप में प्रयोग 1990 में किया गया था |
- 1 अप्रैल,1997 को सेंसेक्स 100 अंक माना गया था इसी आधार पर वर्तमान में इसकी गणना की जाती है | अंत: आधार वर्ष 1978-79 है |
- राष्ट्रीय सूचकांक का आधार वर्ष 1983-84 है |
- मुम्बई शेयर बाजार ने 27 मई,1997 से दो शेयर मूल्य सूचकांक बी० एस० ई०-200 का डॉलक्स चालू किये थे |

- BSE-200 का ही डॉलर मूल्य में अन्य सूचकांक डॉलेक्स है जिनका आधार वर्ष 1989-90 निर्धारित किया गया था |
- BSE का राष्ट्रीय सूचकांक 100 शेयरों का जबकि BSE का संवेदी सूचकांक 30 शेयरों का होता है |
- मुम्बई शेयर बाजार ने बैंकिंग शेयरों का नया मूल्य सूचकांक बैंकेक्स 15 जून,2003 से प्रारंभ किया है |
- बैंकेक्स नाम के इस शेयर मूल्य सूचकांक में 12 बैंकों के शेयर शामिल किए गए है |

भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड-सेबी

- यह एक गैर-संवैधानिक संस्था है है जिसकी स्थापना केंद्र सरकार द्वारा संसद में कानून पास करके 12 अप्रैल,1988 को की गई बाद में 30 जनवरी,1992 को एक अध्यादेश द्वारा इस संस्था को वैधानिक दर्जा प्राप्त है |
- इसका अध्यक्ष केंद्र सरकार द्वारा नामित विशिष्ट योग्यता प्राप्त व्यक्ति होता है तथा दो सदस्य केन्द्रीय मंत्रालयों द्वारा नामित व्यक्ति,जो वित्त एवं कानून के विशेषज्ञ होते है |
- सेबी का मुख्यालय मुम्बई में बनाया गया है तथा इसके क्षेत्रीय कार्यालय कोलकाता तथा चेन्नई में स्थापित किए गया है |
    - कार्य :
- स्टॉक एक्सचेजों तथा किसी भी अन्य प्रतिभूति बाजार के व्यवसाय का नियमन करना |
- स्टॉक ब्रोकर्स,सब ब्रोकर्स,शेयर टान्सफरएजेन्टसमर्चेट बैंकर्स पोर्टफोलियों मैंनेजर आदि के कार्यो का नियमन तथा पंजीकृत करना |
- प्रतिभूति के बाजार में कार्यरत विभिन्न संगठनों के कार्य कलापों के निरिक्षण करना एवं सुव्यवस्थ सुनिश्चित करना |

सेबी संशोधन विधेयक 2008:

- SEBI के प्रतिभूति अपीलीय न्यायाधिकरण के सदस्यों को आयु सीमा में वृद्धि के लिए सेबी विधेयक -2009 प्रस्तुत किया गया | जिसमें न्यायाधिकरणों के सदस्यों के लिए उच्च आयु-सीमा को 62 वर्ष से बढ़ाकर 65 वर्ष करने का प्रावधान किया गया है|

वायदा कारोबार

- **भारत में शेयरों की खरीद-फरोख्त के लिए दो प्रकार के शेयर बाजार है**
- बम्बई स्टॉक एक्सचेज
- नेशनल स्टॉक एक्सचेज
- कॉमोडिटी एक्सचेज में कॉमोडिटीज जैसे कच्चे तेल,खाद्य पदार्थो तथा सोना-चांदी जैसी वस्तुओं की 'कीमत का व्यापार' होता है,किसी वस्तु की आगामी भविष्य की कीमतों का अनुमान लगाकर उनकी खरीद फरोख्त कर ही वायदा बाजार कहलाता है |
- कॉमोडिटी एक्सचेज में कारोबार ऑन लाइन होता है जो शेयर बाजार से अलग तरह के डी-मैट खाते के द्वारा अलग -अलग पर होता है |
- वायदा बाजार भविष्य का भाव निर्धारित कर किसानों को बिचौलियों की मनमानी से बचाता है |
- वर्तमान में भारत में कुल 4 कॉमोडिटी एक्सचेज है
- मल्टी कॉमोडिटी एक्सचेज यह सबसे बड़ा एक्सचेज है जो मुम्बई में है | 2003 से कार्य कर रहा है |
- नेशनल मल्टी कॉमोडिटी एक्सचेज का सबसे बड़ा पुराना एक्सचेज है जो मुम्बई में स्थिति है | जो 2002 से कार्य कर रहा है |
- नेशनल कॉमोडिटी एंड डेराइवटिव्स एक्सचेज यह इण्डिया एक्सचेज यह 2003 से कार्य कर रहा है जो अहमदाबाद में है |
- इण्डिया कॉमोडिटी एक्सचेज यह इण्डिया बुल्स तथा MMTC द्वारा प्रवर्तित एक्सचेज गुडगाँव में है | जिसे वायदा बाजार आयोग अधिनियम 1952 के तहत स्थापित तथा उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय ने 9 अक्टूबर.2009 को मान्यता प्रदान की है |
- देश का पहला कॉमोडिटी इंडेक्स नेशनल कॉमोडिटी एंड डेरिवेटिन्स एक्सचेंज लि० ने कृषिगत उत्पादों के लिए सूचकांक 3 मई,2005 से प्रारंभ किया गया |
- अभी फ्यूचर टेडिंग में बैंकों,म्युचुअल फंडों तथा अन्य कई संस्थानों को सीधे हिस्सेदारी की अनुमति नही है |

- देश में विदेशी मुद्रा का वायदा कारोबार के लिए वायदा बाजारों की स्वीकृती प्राप्त की जा चुकी है | यह कारोबार सर्वप्रथम 29 अगस्त,2008 से NSE मुम्बई में शुरू किया गया था |
- डॉलर के बाद यूरों,पाउंड व येन में भी वायदा कारोबार की अनुमति 'सेबी'ने जनवरी 2010 में प्रदान कर दी गई है |
- NSE ने 31 अगस्त,2009 से भारत में अब ब्याज दरों को वायदा कारोबार की शुरुआत हुई है |

निक्षेप निधि प्रणाली :

- पूँजी बाजार की एक ऐसी नवीनतम व्यवस्था है जिनके अंतर्गत स्वामित्व संबंधी परिवर्तन इलेक्ट्रॉनिक नहीं प्रविष्ट अन्तरण के द्वारा होता है |
- भारत में 1992,के शेयर घोटाले की पुनरावृत्ति रोकने के लिए तकनीकी समिति की अनुशंसा पर शेयर प्रमाण पत्रों के भौतिक आदान-प्रदान विहीन निक्षेप निधि प्रणाली अपनाने का निर्णय लिया गया |
- निक्षेप अधिनियम 1996 में अस्तित्व में आया जिसके आधार पर 8 नवम्बर,1996 को मुम्बई में दी नेशनल सिक्यूरिटीज डिपॉजिटरी लि० की स्थापना की गई,जो भारत की पहली डिपॉजिटरी है |
- इस डिपॉजिटरी की स्थापना तीन प्रमुख वित्तीय संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से की गई |
- भारतीय यूनिट ट्रस्ट
- भारतीय औद्योगिक विकास बैंक
- राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेंज

सर्किट ब्रेकर :

- यह स्टॉक एक्सचेंज की एक प्रणाली है जो सूचकांक में दोनों दिशाओं में एक अधिकतम उतर चढ़ाव की अनुमति देती है इससे सूचकांक में असामान्य परिवर्तनों को रोकने तथा शेयर कीमतों में की जाने वाली हेरा-फेरा को रोकने में सहायता मिलती है |
- सर्किट ब्रेकर तीन स्तरों पर होने वाले परिवर्तनों पर लगाया जाता है-10%,15,20%|
- यदि सूचकांक 20/% की ऊपरी सर्किट को पार कर जाती है तो कारोबार उस दिन के लिए बंद कर दिया जाता है |

भारतीय पूँजी बाजार से संबंधित कुछ महत्वपूर्ण घटनाएँ:-

- बॉम्बे सिक्योरिटी कान्ट्रेक्ट कान्टोल एक्ट 1925 के अंतर्गत बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज को मान्यता दी गई |
- 1957 में BSE पहला भारतीय स्टॉक एक्सचेंज हुआ जिसे स्थायी मान्यता प्राप्त हुई |
- 1964 में यूनिट ट्रस्ट ऑफ इण्डिया की स्थापना हुई |
- अप्रैल 1988 में सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ़ इण्डिया की स्थापना हुई |
- जनवरी 1992 को सेबी को वैधानिक शक्ति प्रदान किया गया |
- मई 1992 में हर्षद महेता सिक्योरिटीज स्कैप सामने आया |
- 27 मई,1992 में GDR निर्गमित करने वाली रिलायंस भारत की पहली कम्पनी हुई |
- सितंबर 1992 ने विदेशी संस्थागत निवेशकों को प्रतिभूति बाजार में निवेश करने की अनुमति मिली |
- नवम्बर 1992 में ओंवर द काउंटर एक्सचेंज ऑफ़ इण्डिया चालू किया गया |
- 1994 में यु.टी.आई को प्रथम निजी क्षेत्रीय बैंक के रूप में स्थापित किया | जिसका पंजीकृत कार्यालय अहमदाबाद में है UTI बैंक का अब नया नाम AXIS बैंक है |
- अप्रैल 1995 में भारत के प्रथम समाशोधन निगम के रूप में नेशनल सिक्योरिटीज क्लिग्रिग कॉपोर्रेशन लि० की स्थापना |
- अप्रैल 1969 में निफ्टी का जन्म हुआ |
- नवम्बर 1969 में नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड की स्थापना की गई |
- ग्लोबल डिपॉजिटरी रिसीट निगत करने की अनुमति दी गयी |
- फरवरी 1998 में देश की दूसरी डिपॉजिटरी की स्थापना बम्बई स्टॉक एक्सचेंज द्वारा की गई | इसका नाम सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लि० रखा गया |

- मार्च 11,1999 में न्यूयार्क स्टॉक एक्सचेंज में लिस्ट होने वाली कम्पनी ICICI बनी |
- अक्टूबर 1999 में संसेक्स इन्डेक्स ने पहली बार 5000 की सीमा पार किया |
- 19 जनवरी,2000 को भारतीय कम्पनियों को अमेरिका डिपॉजिटरी रिसीट की अनुमति तथा मार्च 2001 में केतन पारिख स्कैम सामने आया |
- अप्रैल 2000 को भारत इन्टरनेट ट्रेडिंग की शुरुआत हुई |
- मई 2001 में (BSE) ने B2 सिक्रप्स के संबंध में अनिवार्य डिमैट शुरू किया |
- 31 मार्च,2002 को ICICI की निजी क्षेत्रीय बैंक के रूप में समामेलित किया गया |यह देश का दूसरा सबसे बड़ा बैंक है जिसकी कुल सम्पत्ति 1 ट्रिलियन रुपया है |
- 1 अक्टूबर,2004 को IDBI ltd. को पूर्ण वाणिज्यिक बैंक का दर्जा दिया गया |
- 21 मार्च,2006 को सेंसेक्स ने 11000 के अंक को पार किया |
- भारतीय प्रसिद्ध साफ्टवेयर कम्पनी इंफोसिसटेक्नालॉजी को 18 दिसम्बर,2006 को नैसडॉक 100 सूचकांक में सम्मिलित किया गया | इस सूचकांक में शामिल होने वाली यह पहली भारतीय कम्पनी है |
- अंतर्राष्ट्रीय रेटिग एजेन्सी स्टैण्डर्ड एंड पुअर ने 30 जनवरी,2007 को भारत की ग्रेडिंग को स्पेकुलेटिव ग्रेड से उठाकर इन्वेस्टमेंट ग्रेड कर दिया है |

Empowering Nation
HARYANA JOB ALERT
हर सवाल का जवाब!